गिफ्टेबल्ड फाउंडेशन

व्यापक दिव्यांग पुनर्वास कार्यक्रम, उत्तर प्रदेश

जनवरी 2023

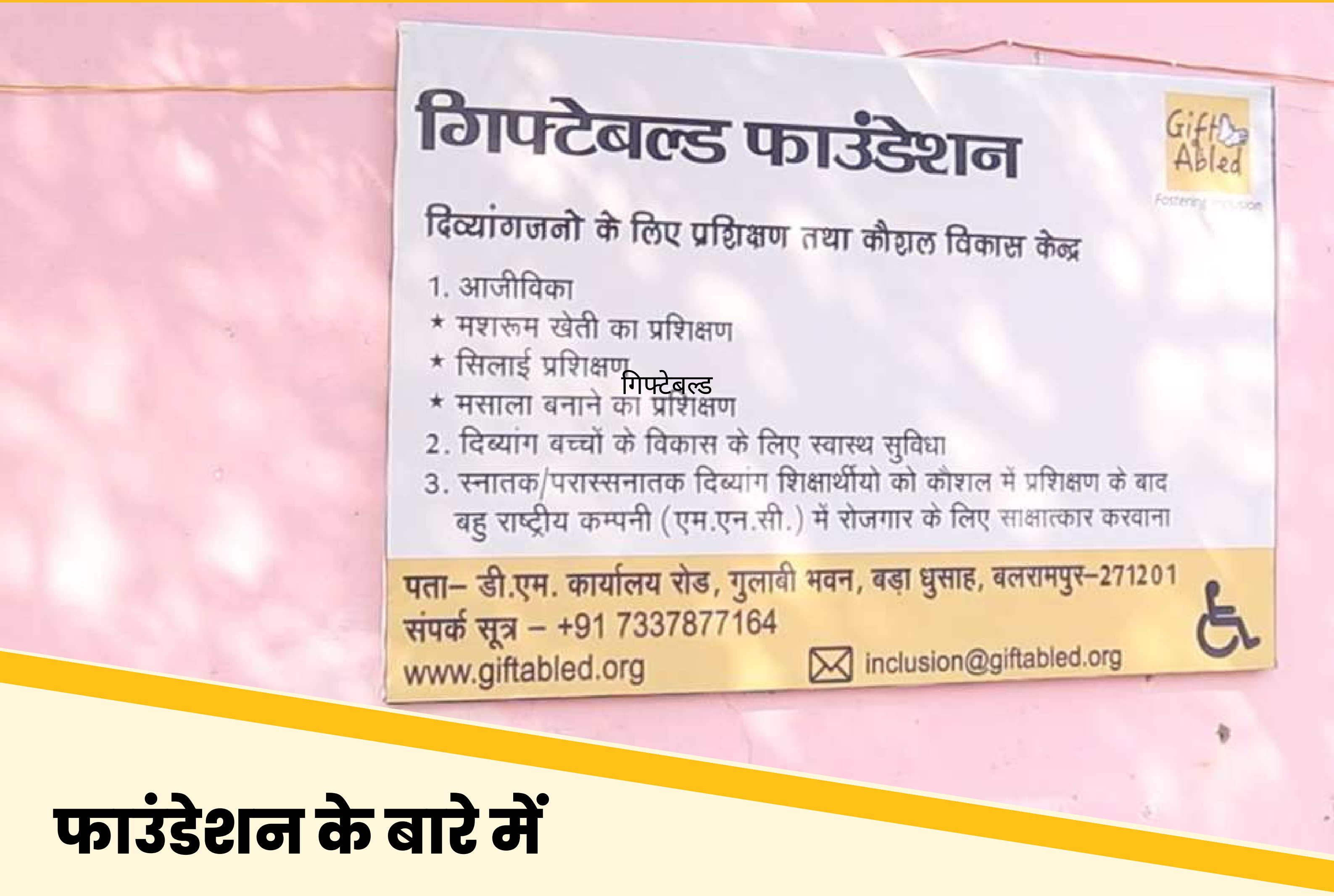

गिफ्टेबल्ड

फाउंडेशन के बारे में

दिव्यांगजनों के लिए नि : शुल्क –

- बच्चों के लिए चिकित्सा सुविधा
- कंप्यूटर प्रशिक्षण
- कम्युनिकेशन स्किल
- सिलाई मशीन प्रशिक्षण
- बैग बनाने का प्रशिक्षण
- बैग छापने का प्रशिक्षण
- मसाला, मशरूम, मुरब्बा का प्रशिक्षण

गिफ्टेबल्ड फाउंडेशन के बारे में

Gift Abled
Fostering Inclusion

गिफ्टेबल्ड फाउंडेशन समान विचारधारा वाले व्यक्तियों का एक ऐसा पारिस्थितिकी तंत्र बनाने का प्रयास करता है ताकि हम सामूहिक रूप से दिव्यांग व्यक्तियों के लिए एक समावेशी समाज का निर्माण कर सकें।

हमारा उद्देश्य दिव्यांग व्यक्तियों को इस तरह सशक्त बनाना है कि वे गरिमा और आत्म सम्मान के साथ जीवन जी सकें!

स्वतंत्रता - आजीविका संसाधन सिलाई प्रशिक्षण केंद्र

Gift Abled
Fostering Inclusion

उत्पाद के प्रकार -

- सलवार
- सूट
- फ्रॉक
- प्लाजो
- पैजामा
- बैग, इत्यादि

सम्पूर्ण सिलाई कोर्स

- मास्टर टेलर के द्वारा प्रशिक्षण
- मार्केटिंग एक्सपर्ट के द्वारा प्रशिक्षण
- सिलाई का काम एक हुनर है और आज के समय में ये हुनर कई लोगों को घर बैठे रोजगार दे रहा है जिसमें महिलायें सबसे आगे है
- सिलाई का काम एक ऐसा काम है जिसे आप कहीं पर भी रहकर कर सकते हैं और अच्छे पैसे कमा सकते हैं
- दिव्यांग और गरीब लोगों को आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास

सभी प्रकार के लेडीज कपड़ों की सिलाई

मसाला बनाने का प्रशिक्षण

Gift Abled
Fostering Inclusion

100 प्रतिशत शुद्ध देशी मसाले

दिव्यांग जनों के द्वारा संपूर्ण स्वच्छता के साथ प्राकृतिक गुणवत्ता संयुक्त मसालों का निर्माण कराना जैसे- हल्दी, धनिया, मिर्चा, गरम मसाला इत्यादि.

मशरूम खेती का प्रशिक्षण

Gift Abled
Fostering Inclusion

- दिब्यांग लोगो को मशरूम खेती के प्रशिक्षण के माध्यम से बदलते मौसम में खेती से रोजगार प्राप्त करने में सक्षम बनाना
- मशरूम कम्पोस्ट बनाने से लेकर उगाने तक की विधिवत जानकारी दिब्यांग लोगो को आसान भाषा और शैली में देना
- मशरूम कटाई और पैकिंग प्रशिक्षण
- मशरूम बेचने के लिए बाजार से जोड़ना

समारोह

Gift Abled
Fostering Inclusion

अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस

समारोह के बारे में -

- प्रत्येक वर्ष 3 दिसंबर को विश्व दिव्यांग दिवस समारोह मनाया जाता है
- इस वर्ष बलरामपुर में गुलाबी भवन के परिसर में मनाया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में विधायक, मुख्य विकास अधिकारी, दिव्यांग सशक्तिकरण अधिकारी, एमएलके पीजी कॉलेज के प्रधानाचार्य और सहायक संस्था के प्रमुख उपस्थित रहे
- 300 से ज्यादा दिव्यांग जनों ने इस समारोह में भाग लिया लिया

International Day of Persons with Disabilities
3 DECEMBER

लार्नेबल्ड - दिव्यांग स्नातकों के लिए बुनियादी रोजगार कौशल विकास

Gift Abled
Fostering Inclusion

स्नातक/परास्नातक दिव्यांगजनों को रोजगार प्रशिक्षण

- कंप्यूटर का प्रशिक्षण
- अंग्रेजी बोलना सिखाना
- साक्षात्कार का प्रशिक्षण
- कौशल में प्रशिक्षण के बाद बहुराष्ट्रीय कंपनी में रोजगार के लिए साक्षात्कार करवाना

प्राथमिक हस्तक्षेप केन्द्र

Gift Abled
Fostering Inclusion

कृष्णा, 8 साल

मेरा नाम रामकिशोर है मैं कृष्णा का पिता हूं. मै हास्दीह का रहने वाला हु मै गिफ्टेबल्ड फाउंडेशन से करीब दो साल से जुड़ा हु. मेरा लड़का पहले थोडा भी नही चल पता. आज के समय में मेरा लड़का थोडा थोडा चलने लगा है. संस्था से मेरे लड़के को AFO मिला है और थेरेपी भी लगातार मिलती है.

दिवाकर, 7.5 साल

मेरा नाम प्रियंका है दिवाकर मेरा भाई है और मै हास्दीह की रहने वाली हु. मेरा भाई बोल और सुन नहीं सकता है जब से हम गिफ्टेबल्ड फाउंडेशन से जुड़े है थोडा बदलाव हो रहा है और मेरा भाई कुछ चीजों को समझने लगा. पहले ये पेंसिले भी नहीं पकड पता था आज के समय में पेंसिल पकड़ने के साथ साथ लिखने भी लगा है.

प्राथमिक हस्तक्षेप केन्द्र

Fostering Inclusion

अंकित, 11 साल

मेरा नाम गुथे मौर्या है मै अंकित का पिता हु और मै गिफ्टेबल्ड फाउंडेशन से करीब दो साल से जुड़ा हु. मेरा बच्चा जन्म से ही दिव्यांग है. मेरे बच्चा का लार टपकता था लेकिन जब से मेरे लड़के को लगतार थेरेपी मिल रही है तब से लार टपकना कम हो गया है और यह अब थोडा थोडा चलने की कोशिश भी करने लगा है और थोडा सा सहारा मिलने पर स्वयं चलता है. मेरे लड़के को गिफ्टेबल्ड फाउंडेशन से AFO मिला है.

सत्यम पटेल, 10 साल

मेरा नाम धुरुव कुमार वर्मा है मै सत्यम पटेल का चाचा हु ये मेरे भाई का लड़का है सत्यम के पापा का नाम सुरेश कुमार वर्मा है. सत्यम पूरी तरह से दिव्यांग है यह न बोल पाता है न खा पाता है न उठ पाता है न बैठ पता है और न ही चल पता है. मै गिफ्टेबल्ड फाउंडेशन से करीब दो साल से जुड़ा हु मै उदईपुर का रहने वाला हु. मेरे बच्चे का AFO और Gaiter की मापी हो गयी है.

पिता और माता ओं का आवासीय प्रशिक्षण

(12 दिसंबर 2022 से 15 दिसंबर 2022 तक)

Fostering Inclusion

दिव्यांगता के प्रति माता-पिता को जागरूक करना

- 2 साल से 13 साल तक के विकासात्मक विलंब बच्चों को चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करना
- दिव्यांग बच्चों की आवश्यकताओं को समझना
- उनके आवश्यकताओं के अनुसार उनकी जरूरतों को पूरा करना
- दिव्यांग बच्चों से कैसे व्यवहार करना

सेरेब्रल पाल्सी दिवस

Fostering Inclusion

29 अक्टूबर को सेरेब्रल पाल्सी दिवस मनाया गया जिसमे 46 दिव्यांग बच्चो ने अपने माता पिता के साथ भाग लिया था जिसमे मुख्य अतिथि बलरामपुर के प्रधान अध्यक्ष शांतिभूषण शुक्ल थे. इस कार्यक्रम का मुख्या उद्देश्य था कि बच्चो के माता पिता को जागरूक करना. उनको दूसरे बच्चो के माता पिता से संपर्क कराना.

बच्चो के स्वास्थ्य, खाना खिलाने, बच्चे को किस चीज की जरूरत है उसके बारे में जागरूक करना.

न्यूरोडेवलपमेंटल डिसऑर्डर वाले बच्चों और युवाओं के विकास में परिवार की भूमिका

Gift Abled
Fostering Inclusion

कार्य, अक्षमता और स्वास्थ्य के अंतर-राष्ट्रीय वर्गीकरण [संक्षिप्त में ICF] के 2001 के W.H.O अनुकूलन ने हमें NDD के साथ बच्चों और युवाओं के साथ काम करने के लिए एक बहुत ही सार्थक टेम्पलेट दिया है। रुब्रिक FWORDS के तहत समझने योग्य प्रारूप में माता-पिता के लिए इन अवधारणाओं को सरल बनाया गया है.

यह मॉडल सहायक उपकरणों के साथ या उसके बिना सुलभ संदर्भ में हमारी सोच को इलाज से इष्टतम कार्यप्रणाली में बदल देता है ताकि किसी भी प्रकार की बाधाएं कार्यप्रणाली में हस्तक्षेप न करें.

परिवार को विकासात्मक इंजन और सूक्ष्म वातावरण माना जाता है जिससे बच्चे स्वतंत्र व्यक्तियों के रूप में एक समायोजित समाज में काम करने वाले पूरी तरह कार्यात्मक वयस्कों में विकसित होते हैं। ऐसा होने के लिए माता-पिता और पेशेवरों को कुछ बुनियादी बातों को समझने की जरूरत है जो सकारात्मक मुकाबला करने में मदद करते हैं जो बच्चे को एक आत्मविश्वासी, स्वतंत्र व्यक्ति बनने के लिए विकसित करेगा जो अपनी सीमाओं और प्रतिबंधों को स्वीकार करता है और धूप में अपना सही स्थान पाता है। इस विचार का समर्थन करने के लिए, विकलांग व्यक्तियों के अधिकारों [RPWD] की वैश्विक स्वीकृति है जो अब हमारे देश में एक अधिनियम है। माता-पिता और पेशेवरों को परिवार केंद्रित सेवाओं के मूल्य को समझना होगा और व्यक्ति और बच्चे की पसंद और क्षमता के अनुसार जीवन के सभी क्षेत्रों में बच्चे की समावेशी और स्वीकृत भागीदारी के साथ सकारात्मक पारिवारिक विकास के कौशल को सीखना होगा।.

परिवार-केंद्रित देखभाल (FCC) परिवार और स्वास्थ्य देखभाल प्रदाताओं के बीच स्वास्थ्य देखभाल निर्णय लेने के लिए एक साझेदारी दृष्टिकोण है।.